म्हारी रनू बाई क माननी बुलाई गणगौर गणेश कुशवाह

म्हारी रणु बाई क मननि बुलाई ,खेलण आई गणगौर माई

गणगोर खेलण हाउ झमराल गली गई थी,
न व्हासी , न व्हासी टोपली लई आईं ,
खेलण आई गणगोर माई
म्हारी रणु बाई क मननि बुलाई ,खेलण आई गणगौर माई

गणगोर खेलण हाउ किसान गली गई थी,
न व्हासी , न व्हासी घउ लई आईं ,
खेलण आई गणगोर माई
म्हारी रणु बाई क मननि बुलाई ,खेलण आई गणगौर माई

गणगोर खेलण हाउ पंचायती गली गई थी,
न व्हासी , न व्हासी चूंदड़ लई आईं ,
खेलण आई गणगोर माई
म्हारी रणु बाई क मननि बुलाई ,खेलण आई गणगौर माई

गणगोर खेलण हाउ कुम्हार गली गई थी ,
न व्हासी , न व्हासी दिवलो लई आईं ,
खेलण आई गणगोर माई
म्हारी रणु बाई क मननि बुलाई ,खेलण आई गणगौर माई

गणगोर खेलण हाउ सुतार गली गई थी ,
न व्हासी , न व्हासी बाजुठ लई आईं ,
खेलण आई गणगोर माई
म्हारी रणु बाई क मननि बुलाई ,खेलण आई गणगौर माई

गायक कलाकार गणेश कुशवाह
राजपुर जिला बड़वानी M,P,
मुरली DJ राजपुर

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33328/title/mhari-anu-bayi-k-mnni-bulayi-khelam-aayi-gangor-mayi-gangor-bhajan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |